No. of Printed Pages : 4

BHDC–132

बी. ए. (सामान्य) (बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एच.डी.सी.-132 : मध्यकालीन हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 20

(क) सात दीप बरनहिं सब लोगू।

एकौ दीप न ओहि सरि जोगू॥

दिया दीप नहिं तस उजियारा।

सरौ दीप सरि होइ न पारा॥

जंबू दीप कहौं तस नाहीं। पूज न लंक दीप परिघछाहीं॥

दीप कुसस्थल आरन परा। दीप महुस्थल मानुस हरा॥

सब संसार परथमै, आए सातौं दीप।

एकौं दीप न उत्तिम, सिंहल दीप समीप॥

(ख) निसिदिन बरसत नैन हमारे।

सदा रहति पावस ऋतु हम पै, जब तें स्याम सिधारे।

दृग अंजन लागत नहिं कबहूँ, उर कपोल भए कारे।

कंचुकि नहिं सूखत सुनु सजनी, उर-बिच बहत पनारे।

'सूरदास' प्रभु अंबु बढ्यौ है, गोकुल लेहु उबारे।

(ग) ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी,

ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं।

कंदमूल भोग करैं, कंदमूल भोग करै;

तीन बेर खाती ते वै तीन बेर खाती हैं॥

भूषन सिथिल अंग भूषन सिथिल अंग,

बिजन डुलाती ते वै विजन डुलाती हैं॥

2. भक्तिकाव्य की विशेषताएँ बताइए। 20

3. रीतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। 20

4. कबीर की भाषागत विशिष्टताएँ बताइए। 20

5. जायसी का परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 20

6. मीराबाई की भक्ति-भावना की विशेषताएँ बताइए। 20

7. सूरदास की कविताओं में अभिव्यक्त लोक-जीवन पर उदाहरण सहित विचार कीजिए। 20

8. रहीम की कविता के भावपक्ष की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(क) रीतिकाव्य के प्रमुख भेद

(ख) उलटबाँसी

(ग) घनानंद की कविता में प्रेम–निरूपण

(घ) तुलसीदास की भक्ति–पद्धति

× × × × ×